सार-समाचार

योजना क्रियान्वयन समिति का गठन

सीकर (निसं)। जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा ने आदेश जारी कर अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जारी दिशानिर्देशानुसार पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गाँव योजना-2025" के सफल संचालन एवं क्रियान्वयन के लिए जिला स्तरीय योजना क्रियान्वयन समिति का गठन किया गया है। आदेशानुसार जिला कलक्टर सीकर अध्यक्ष, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद सीकर सदस्य सचिव, संयुक्त निदेशक, कृषि विभाग सीकर,संयुक्त निदेशक, पशुपालन विभाग सीकर, उप वन संरक्षक सीकर, उप निदेशक उद्यान सीकर, मुख्य आयोजना अधिकारी सीकर, अधीक्षण अभियन्ता अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड सीकर, अधीक्षण अभियंता जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग सीकर, अग्रणी जिला प्रबन्धक सीकर, उप रजिस्ट्रार सहकारिता विभाग सीकर, उप निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग सीकर, जिला रसद अधिकारी सीकर, जिला रोजगार अधिकारी सीकर, सहायक श्रम आयुक्त सीकर,महा प्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र सीकर, उप निदेशक महिला एवं बाल विकास विभाग सीकर,उप निदेशक महिला अधिकारिता विभाग सीकर, जिला परियोजना प्रबंधक जीविका सीकर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सीकर, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी सीकर, परियोजना प्रबंधक अनु. जाति वित्त एवं विकास निगम सीकर, प्रबंध संचालक सीकर एवं झुंझुनू जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड पलसाना सीकर, जिला प्रबन्धक राज. कौशल एवं आजीविका विकास निगम (आरएसएलडीसी), अतिरिक्त मुख्य अभियंता एवं पदेन परियोजना प्रबंधक वाटरशेड सैल कम डाटा सेन्टर जिला परिषद सीकर, अधिशाषी अभियंता जिला परिषद सीकर,अधिशाषी अभियंता (ईजीएस) जिला परिषद सीकर को सदस्य नियुक्त किया गया है।

पेंशन विरोधी निर्णय के विरुद्ध ज्ञापन सौंपा

रतनगढ़ (निसं)। केंद्र सरकार द्वारा घोषित आठवें वेतन आयोग में पेंशनर्स के हितों पर कुठाराघात से संबंधित सीसीए पेंशन नियम संशोधन विधायक 2025 में के विरोध में पेंशनर्स ने विरोध प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नाम कार्यवाहक अध्यक्ष ओम प्रकाश जांगिड़ की अगुवाई में एसडीएम को ज्ञापन दिया। उक्त विधायक के माध्यम से केंद्र सरकार पेंशनर्स को आठवें वेतन आयोग में लाभ से वंचित करने हुए पेंशनर्स को तिथि के आधार पर वर्गों में बांटकर आर्थिक शोषण का विचार रखती है, सेवानिवृत्ति पेंशनर्स में समानता बनाए रखने और पेंशनर्स के बीच भेदभाव नहीं करने हेतु इस विधेयक पर पुनर्विचार की मांग कर इसे वापस लेने की मांग की। सोहनलाल चब्बरवाल ने ज्ञापन का वाचन किया। इस अवसर पर राजस्थान पेंशनर समाज के साथ-साथ केंद्रीय सेवाओं के रेलवे, पोस्ट ऑफिस के पेंशनर्स ने भी विरोध प्रदर्शन में भाग लिया और सरकार की पेंशनर्स और कर्मचारी विरोधी नीतियों का विरोध किया। इस अवसर पर मोहम्मद अनवर कुरेशी, रामदेव शर्मा, ओमप्रकाश जांगिड़, भागीरथ भंडार, रामावतार ठठेरा, श्यामलाल माली, परमेश्वर लाल, नजीर अहमद, जय सिंह राठौड़, सांवरमल दर्जी, बजरंग लाल प्रजापत, बद्री प्रसाद शर्मा, पीरुमल भोभरिया, गुलाबचंद दर्जी, शिव प्रसाद स्वामी, जगदीश प्रसाद स्वामी, विनोद कुमार वर्मा, बाबूलाल पीपलवा, करणी सिंह राजियासर, रामदयाल चोटिया, कन्हैयालाल चौमाल, तेजकरण भोजक, वेद प्रकाश पंवार, ओमप्रकाश इंदौरिया, महावीर प्रसाद सेवदा, जयाकांत बिंवाल, चुन्नीलाल प्रजापत, शार्दुल सिंह उपस्थित रहे।

जीण माता पुजारियों से मारपीट मामले में कार्रवाई की मांग

चिड़ावा (निसं)। राजस्थान के जीण माता मंदिर में चैत्र नवरात्रि के दौरान लक्खी छठ की रात पुजारियों के साथ हुई मारपीट की घटना के बाद विप्र समाज आक्रोशित है। घटना को लेकर चिड़ावा विप्र फाउंडेशन के बैनर तले एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को ज्ञापन भेजा गया है। मुख्यमंत्री को भेजे ज्ञापन में प्रशासनिक अधिकारियों पर मारपीट का आरोप लगाया है।घटना 3 अप्रैल की रात 12 बजे के बाद की है। मंदिर की परंपरा के अनुसार, बत्तीसी संघ का एक भक्त गर्भगृह में प्रवेश कर माताजी को धोक देता है। जब एक से अधिक भक्त गर्भगृह में प्रवेश करने लगे, तो पुजारियों ने मंदिर की मर्यादा के लिए उन्हें रोकने का प्रयास किया। विप्रजनों का आरोप है कि एडीएम, तहसीलदार, गिरदावर राजेश, पटवारी सज्जन और एसएवओ स्टाफ के कर्मचारियों ने उनके साथ मारपीट की। एक मुख्य पुजारी की जनेऊ तक तोड़ दी गई। विप्र बंधुओं का कहना है कि यह घटना बत्तीसी संघ, पुलिस प्रशासन और मेला प्रबंधन की मिलीभगत से हुई।चिड़ावा विप्र फाउंडेशन के तहसील अध्यक्ष पृथ्वी राज शर्मा ने मुख्यमंत्री से दोषी पुलिसकर्मियों, मेला प्रशासन और बत्तीसी संघ के लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि कार्रवाई नहीं होने पर मंदिर के पुजारी और समस्त ब्राह्मण समाज आंदोलन करेंगे।इस मौके पर पूर्व पालिकाध्यक्ष सुभाष शर्मा, देवेंद्र चोटिया, श्रवण पारीक, राधेश्याम सुखाड़िया, सुरेश शर्मा, शुभ राम, राजेंद्र शर्मा राजू, सुशील शर्मा, पवन शर्मा, मदन शर्मा, रवि शर्मा सहित विप्र समाज के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

एसडीएम ने समाधान के निर्देश दिए

चिड़ावा (निसं)। पंचायत समिति क्षेत्र के निजामपुरा तन ओजटू पेयजल संकट से जूझ रहे ग्रामीणों ने जलदाय विभाग व पंचायत समिति पहुंचकर प्रदर्शन किया। खाली मटके लेकर पहुंची महिलाओं ने जलदाय विभाग पर लापरवाही के आरोप लगाते हुए जमकर खरी-खोटी सुनाई। ग्रामीणों ने बताया कि वार्ड नं 7, 11 व 12 में पिछले 3 महीने से पेयजल किल्लत बनी हुई है। अंबेडकर स्कूल के नजदीक बने कुएं की मोटर जल जाने के चलते पिछले 09 दिन से बाहर रखी हुई है। विभाग ने अभी तक मोटर की मरम्मत करवाने की जहमत तक नहीं उठाई है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बार-बार वे गांव से चलकर चिड़ावा में अधिकारियों से समस्या समाधान की गुहार लगाने आते हैं। लेकिन विभाग की लापरवाही व अनदेखी के चलते समस्या जस की तस बनी हुई है। कर्मचारी बुधवार दोपहर को ग्रामीण पहले जलदाय विभाग पहुंचे। वहां पता चला कि चिड़ावा पंचायत समिति में वीसी चल रही है। एसडीएम सहित सारे अधिकारी वीसी में मौजूद है।जिसके बाद ग्रामीण पंचायत समिति पहुंचे। ग्रामीणों ने एसडीएम नरेश सोनी से ज्ञापन सौंपकर समस्या के समाधान की गुहार लगाई। जिसके बाद एसडीएम ने संबंधित अधिकारी को मौके पर जाकर समस्या समाधान के निर्देश दिए। इस दौरान नरोत्तम, जयसिंह , विकास , सुनील जोशी , इंद्र , मुकेश, कृष्णा, बेदों, मेवा देवी, सुनीता, सुबीता, सावित्री, रामू मेघवाल सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

गणित ओलंपियाड में परचम लहराया

चिड़ावा (निसं)। एपीएस स्कूल के प्रधानाचार्य सुनील श्रीवास्तव ने बताया कि अन्तरराष्ट्रीय गणित ओलंपियाड में विद्यालय के छात्र छात्राओं सिया,प्रतिभा, वैभव,हर्षित,नव्या सैनी, दिव्या,आरोही श्रीवास्तव, हिमाक्षी जाखड़ , साहिल राव, नीतिका , कनिष्का पायल एवं प्रियांशु ने स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। इस खुशी के अवसर पर विद्यालय में आज एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। बच्चों की इस उपलब्धि पर संस्था चेयरमैन डॉक्टर पायल ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर पी आर ओ डॉक्टर जी सी शर्मा, एकेडमिक हैड मनमोहन शर्मा, सिक्योरिटी ऑफिसर शमशाद खान,सी सी ए इंचार्ज हेमलता सोमरा सहित समस्त विद्यालय स्टाफ उपस्थित था।

परिंडा अभियान का शुभारंभ

झुंझुनूं, (निसं)। हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स राजस्थान राज्य जिला मुख्यालय झुंझुनूं द्वारा बढ़ती भीषण गर्मी को देखते हुए कुछ पल बेजुबानों के लिए परिंडा अभियान का शुभारंभ जिला मुख्यालय परिसर में तहसीलदार अभिषेक मीणा की उपस्थिति में किया गया। खुशबू दानोदिया ने बताया कि बढ़ती गर्मी को ध्यान में रखते हुए हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स राजस्थान जिला मुख्यालय झुंझुनूं द्वारा पक्षियों के लिए कुछ पल बेजुबानों के लिए परिंडा अभियान का शुभारंभ किया गया है। इस अभियान के तहत सार्वजनिक स्थलों, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में स्काउट गाइड एवं रोवर रेंजर द्वारा परिंडे लगाए जाएंगे। इस अवसर पर तमन्ना कुमावत, प्रियंका कुमारी, नीलम जांगिड़, सीमा, अंकित सैनी साहित अन्य लोग उपस्थित थे।

जल स्वावलम्बन अभियान की बैठक 15 को

सीकर (निसं)। जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा की अध्यक्षता मे 15 अप्रेल 2025 को दोपहर 12 बजे कलेक्ट्रेट सभागार मे मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.0 द्वितीय चरण की डीपीआर अनुमोदन के लिए जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की जायेगी।

गर्मियों में लू से बचाव के संबंध में दिशा-निर्देश जारी

■ जिला कलेक्टर शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए

सीकर, (निसं)। जिला कलेक्टर, सीकर मुकुल शर्मा ने गर्मी,ताप, लू से बचाव एवं उपचार के संबंध में जिला स्तरीय अधिकारियों एवं अन्य विभागों के लिए विशेष निर्देश जारी किए हैं।

जिला कलेक्टर शर्मा द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार सभी सरकारी, निजी प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में ठंडे पेयजल का पूर्ण प्रबंध सुनिश्चित करने के साथ-साथ गर्मी को देखते हुए ग्रीष्मकालीन अवकाश समय पर घोषित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा, सभी अस्पतालों एवं डिस्पेंसरियों में पर्याप्त मात्रा में दवाईयां और ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन) घोल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ गर्मी एवं लू से प्रभावित मरीजों के लिए पंखे-कूलर युक्त अलग चिकित्सा वार्ड की व्यवस्था करने को कहा गया है।

शहरों एवं गांवों में गर्मी और लू से बचाव एवं उपचार के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिये गये है, ताकि आमजन को इस संबंध में जागरूक किया जा सके।

श्रमिकों के लिए छायादार स्थान, स्वच्छ पेयजल, प्राथमिक उपचार किट और ओआरएस की व्यवस्था करने के साथ-साथ उन्हें दिन में कम ताप वाले समय में कार्य करने और बाहरी कार्यों के दौरान आराम करने की सलाह दी गई है।

कच्ची बस्तियों, ग्रामीण क्षेत्रों और शहरी कॉलोनियों में पीने के पानी की समुचित व्यवस्था करने और अत्यधिक गर्मी की स्थिति में पानी के टैंकरों से छिड़काव की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने विद्युत की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने, दोपहर के समय में विद्युत कटौती नहीं करने और यदि कटौती आवश्यक हो तो इसके लिए समय पर निर्देश जारी करने को कहा गया है। बस स्टैंडों पर छायादार स्थान, विश्राम की सुविधा और ठंडे पेयजल की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए गए हैं। पशुओं की देखभाल के लिए उन्हें छाया में रखने, पर्याप्त, स्वच्छ और ठंडा पानी उपलब्ध कराने, अत्यधिक गर्मी के दौरान पानी का छिडकाव करने और मवेशियों को ठंडा करने के लिए जल निकाय तक ले जाने की व्यवस्था करने को कहा गया है। पशुओं को हरी घास, प्रोटीन, वसा और खनिज मिश्रण देने और कम गर्मी वाले समय में ही चरने के लिए छोड़ने के निर्देश दिए गए हैं।

आमजन को दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच घर से बाहर निकलने से बचने, खाली पेट बाहर न निकलने, पर्याप्त पानी पीने, बासी खाना, गले,बासी फल और सब्जियों का सेवन न करने की सलाह दी गई है। इसके साथ ही ढीले और सूती कपड़े पहनने, सिर पर तौलिया रखने, और यथासंभव ठंडे पेय पदार्थ, नींबू, छाछ, प्याज एवं पर्याप्त पानी का सेवन करने की सलाह दी गई है। यदि किसी को डायरिया या लू लगने की स्थिति हो, तो उसे तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर इलाज के लिए ले जाने को कहा गया है।

जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे इन प्रावधानों का सख्ती से पालन करें और आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, यह सुनिश्चित करें। आमजन से अपील की गई है कि वे इन दिशा-निर्देशों का पालन करें और किसी भी आपात स्थिति में जिला प्रशासन से संपर्क करें।

धार्मिक कार्यक्रम आज से

खिरोड़, (निसं)। चिराना कस्बे में पहाड़ी पर स्थित श्रीगढ़ बालाजी धाम पर वार्षिक तीन दिवसीय हनुमान जन्मोत्सव के कार्यक्रम गुरूवार से शुरु होंगे। गढ़ बालाजी सेवा समिति के दिलीप सिंह राठौड़ व लोकेश शर्मा ने के मुताबिक गुरुवार शाम को चार बजे गणेश मंदिर से गढ़ बालाजी तक विशाल निशान यात्रा निकलेगी। निशान यात्रा का प्रमुख आकर्षण महाबली हनुमान होंगे। शुक्रवार को शाम सवा चार बजे से गढ़ बालाजी मंदिर में सैंकड़ों श्रद्धालु एक साथ संगीतमय सुंदरकांड पाठ करेंगे। शनिवार सुबह सवा आठ बजे सर्वमंगल कामना महायज्ञ होगा। शाम को सवा सात बजे भव्य शृंगार दर्शन और महाआरती होगी और उसके बाद रात साढ़े आठ बजे से विराट भजन संध्या के कार्यक्रम होंगे। जिसमें सजीव झांकी दर्शन और भजन कलाकारों की प्रस्तुति होगी। समिति अध्यक्ष जितेश अग्रवाल ने बताया कि चिराना का ये सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन है। तीन दिन तक होने वाले आयोजन में आस-पास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेंगे। भजन संध्या में प्रसिद्ध गायक नीलिमा शर्मा, कुसुम शर्मा, एस. महर्षि और किरण शर्मा भजनो की प्रस्तुति देंगे।

राजस्थान की प्रथम महिला सत्याग्रही पर डॉ. यादव का शोध पत्र प्रकाशित

नीमकाथाना (निसं)। नीमकाथाना शहर के सबसे बड़े सरकारी महाविद्यालय के इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रेमपाल यादव का हाल ही में राजस्थान की प्रथम महिला सत्याग्रही अंजना देवी पर शोध पत्र प्रकाशित हुआ है। यह शोध पत्र इतिहास की प्रतिष्ठित शोध पत्रिका लाइनसियन जर्नल ऑफ कल्चर एंड हिस्टोरिकल स्टडीज के वॉल्यूम 17 में प्रकाशित हुआ है।

डॉ. यादव ने इस शोध पत्र के संदर्भ में बताया कि ब्रिटिश राज के विरुद्ध जब स्वतंत्रता संग्राम चल रहा था, तब राजस्थान की महिलाओं ने भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इन महिलाओं ने सामाजिक रूढ़ियों को तोड़ते हुए राष्ट्रीय आंदोलन में भाग लिया। राजस्थान और रियासती भारत में इस दिशा में सबसे पहले अंजना देवी चौधरी ने क्रांतिकारी कदम उठाया था। अंजना देवी, जो सीकर जिले के श्रीमाधोपुर कस्बे की बेटी और नीमकाथाना की बहू थीं, ने स्वतंत्रता संग्राम में भागीदारी की प्रेरणा अपने पति राम नारायण चौधरी से प्राप्त की थी, जो राष्ट्रीय आंदोलन के प्रमुख नेता थे। 19वीं और 20वीं शताब्दी के राजस्थान समाज में अंधविश्वास प्रचलित था, और महिलाओं के लिए यह माना जाता था कि वे पढ़ाई-लिखाई में अग्रसर नहीं हो सकतीं। लेकिन अंजना देवी ने इस मिथक को तोड़ते हुए राष्ट्रीय आंदोलन में भाग लिया और सामाजिक बदलाव की दिशा में अहम कदम उठाए।

पर्दे जैसी सामाजिक बाधाओं को दरकिनार करते हुए, अंजना देवी ने 20 वर्ष की उम्र में पर्दा त्याग दिया। गांधी जी के आ ान पर उन्होंने अपने सभी आभूषण त्याग दिए और जीवनभर देश सेवा का संकल्प लिया। इसके बाद उन्होंने मेवाड़ और बूंदी रियासतों में सत्याग्रह, समाज सुधार और राष्ट्रीय आंदोलन की गतिविधियों में सक्रिय भाग लिया।

बूंदी में लाग बाग, बेगार और रिश्वतखोरी से परेशान किसानों के हक में लड़ते हुए वह निर्वासित हो गईं। बिजोलिया के पास अमरगढ़ जागीर में सत्याग्रह का नेतृत्व करते हुए वह गिरफ्तार हुई और रियासती भारत में गिरफ्तार होने वाली पहली महिला बनीं।

अंजना देवी ने हर बार इन गिरफ्तारियों के बावजूद अपना साहस नहीं खोया और लगातार स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेती रही। मेवाड़ के ब्राह्मणों का खेड़ा में 500 महिलाओं के जत्थे का नेतृत्व करते हुए उन्होंने जागीरदारों को महिला शक्ति का अहसास कराया। 1932 से 1935 के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय सत्याग्रह की मुहिम में दो बार जेल यात्रा की और कुल मिलाकर छह महीने जेल में रहीं। उनकी सार्वजनिक जीवन में सक्रियता आजादी के बाद भी बनी रही।

इसके अलावा, अंजना देवी ने हरिजन सेवा के कार्य में भी उल्लेखनीय योगदान दिया। डॉ. यादव का यह शोध पत्र अंजना देवी की वीरता और संघर्ष की गाथा को सामने लाता है, और यह राजस्थान की महिलाओं के प्रति श्रद्धा और सम्मान का प्रतीक है।

विश्व कल्याण के लिए नमस्कार महामंत्र का जाप किया

चूरू (निसं)। तेरापंथ भवन में बुधवार को नमस्कार महामंत्र का जाप किया गया। जीतो के द्वारा विश्व कल्याण के इस अभियान में चूरू में धार्मिक सौहार्द को देखने मिला। हिंदू मुस्लिम जैन सभी समाज ने मिलकर इस नमस्कार महामंत्र का जाप किया। पूरे विश्व में शांति, सामंजस्य और सौहार्द, जीव मात्र का कल्याण हो। इसी भावना से सभी ने मंत्र का जाप किया।

सर्वप्रथम कन्या मंडल ने नमस्कार महामंत्र की मुद्राओं से मंगलाचरण किया। जाप के इस अनुष्ठान में भावीपीढ़ी को पूरा विष्व एक परिवार है। वासुदेव कुटुंबकम की भावना बच्चों में भी आए इसी उद्देश्य से किड्स होम के नन्हें बच्चों ने भी जाप किया व केसर बालिका स्कूल की बालिकाओं ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। अणुव्रत अध्यक्ष रचना कोठारी ने सभी का अभिनंदन करते हुए नमस्कार महामंत्र के बारे में संपूर्ण जानकारी देते हुए कहा कि इस मंत्र में हम किसी भी धर्म विशेष अथवा व्यक्ति विशेष की आराधना नहीं करते हैं, बल्कि इस संसार में जितने भी अरिहंत मौजूद है। जिन्होंने चार घाती कर्म का नाश किया हो, उन्हें वंदन करते हैं। नमो सिद्धाणं में सभी सिद्ध मुक्त बुद्ध आत्माओं को वंदन करते हैं। नमो आयरियाणं में उन सभी आचार्यों को वंदन किया, जो हमें नैतिक धार्मिक मार्ग बदलते हैं व नमो उवज्झायाणं में उन सभी उपाध्यायों को वंदन करते हैं जो आचार्य द्वारा निर्देशित मार्ग का अध्ययन और अध्यापन करते हैं और करवाते हैं नमो लोए सव्व साहूणं में संसार के सभी चरित्र आत्माओं को वंदन करते हैं। इस इस प्रकार एक नमस्कार महामंत्र का जाप करने से हम संसार के सभी गुण आत्माओं को वंदन कर लेते हैं। सभा के अध्यक्ष नरेंद्र कोठारी ने सभी का आभार व्यक्त किया। सभा के मंत्री हेमंत पारख, डॉ मांगीलाल श्याम सुखा, तेरापंथ सभा के संरक्षक सुरेश बेद, दुलीचंद मणोत, राजेंद्र कुमार सिंह, एडवोकेट आनंद बालाण, अणुव्रत समिति के मंत्री ताहिर खान, बसंत सिंगी, जगत बांठिया, शांतिलाल पारख, शुभकरण कोठारी, उमराव कोठारी, श्रवण कोठारी, विकास बांठिया, राजू सुराणा, प्रताप सुराणा, मीनाक्षी टॉक आदि उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन अनुरोध समिति अध्यक्ष रचना कोठारी ने किया।

फटकारो मोरछड़ी को कार्यक्रम 13 को, पोस्टर का विमोचन किया

चूरू (निसं)। श्रीश्याम अखंड ज्योत पाठ समिति चूरू की ओर से स्थानीय नागवानों के नोहरे में भव्य श्याम अखंड ज्योत पाठ का 11वां उत्सव फटकारो मोरछडी को कार्यक्रम रविवार को आयोजित किया जायेगा।

नेपाली थीम पर मथुरा-वृंदावन से बाबा श्याम का दरबार बनाया गया है और ड्राई फ्रूट की मालाओं से बाबा का अलौकिक श्रृंगार सभी के आकर्षण का केन्द्र रहेगा। श्री श्याम अखंड ज्योत पाठ समिति के पवन जालान ने बताया कि दो दिवसीय आयोजन के तहत 12 अप्रैल शाम चार बजे श्याम बाबा को नगर भ्रमण करवाया जाएगा, जो सफेद घंटाघर के पास स्थित भारतीय स्टेट बैंक के पास वाली गली से भ्रमण के लिये रवाना होगा। नगर भ्रमण में निशान यात्रा सभी के आकर्षण का केन्द्र होगी। समिति के सदस्यों ने बुधवार को स्थानीय जैन गेस्ट हाउस में प्रेस वार्ता में पोस्टर का विमोचन कर जानकारी दी कि आयोजन को लेकर सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि 13 अप्रैल को श्याम अखंड ज्योत पाठ फटकारो मोरछडी को कार्यक्रम होगा। उन्होंने बताया कि इस बार नेपाली थीम पर श्याम बाबा का दरबार मथुरा-वृंदावन से बनवा कर मंगवाया गया है, जिसकी लंबाई 60 फीट और ऊंचाई 25 फिट होगी। इसके साथ ही चूरू में पहली बार ड्राई फ्रूट की मालाओं से बाबा का भव्य श्रृंगार होगा। पाठ के रचयिता श्रीचंद शर्मा व खाटू धाम के महंत मोहनदास महाराज के सानिध्य में होने वाले कार्यक्रम में कोलकाता के पाठ वाचक विनोद पाठ का संगीतमय वाचन करेंगे। 13 अप्रैल को प्रात: 9.15 बजे बाबा श्याम की दिव्य ज्योत प्रज्ज्वलित की जाएगी, प्रात: 10.15 बजे श्री श्याम अखंड ज्योत पाठ का शुभारम्भ होगा।

रात 9.15 बजे महाआरती होगी। इस दौरान कोलकाता के कलाकारों द्वारा नृत्य नाटिकाओं की प्रस्तुति दी जाएगी। इस दौरान शिव आराधना, बारात स्वागत, भीम विवाह, कन्यादान, श्याम जन्मोत्सव, बधाई गीत, बधाई वितरण व शीश का दान आदि प्रसंगों का मंचन किया जाएगा। इस अवसर पर छप्पन भोग, इत्र वर्षा, अखंड ज्योत व बाबा का अलौकिक दरबार आकर्षण का केंद्र रहेगा। पदाधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर सभी पदाधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई है।

बाल विवाह रोकथाम के लिए विभिन्न विभागों को निर्देश जारी किये

सीकर (निसं)। जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट ने मुकुल शर्मा ने आदेश जारी कर बाल विवाह की प्रभावी रोकथाम के लिये ग्राम एवं तहसील स्तर पर पदस्थापित विभिन्न विभागों के कर्मचारियों, अधिकारियों (वृत्ताधिकारी, थानाधिकारीगण, पटवारियों, भू-अभिलेख निरीक्षकों, ग्राम पंचायत सचियों, ग्राम सेवकों, कृषि पर्यवेक्षकों, महिला विकास अभिकरणों तथा महिला बाल वि कास विभाग के परियोजना अधिकारियों, पर्यवेक्षकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, शिक्षा विभाग के अध्यापकों, नगर परिषद एवं नगर पालिका के कर्मचारियों, जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों, सरपंचों तथा वार्ड पंचों) के माध्यम से बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के प्रावधानों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने एवं आम जन को जानकारी कराते हुये जन जागृति उत्पन्न करने एवं बाल विवाह रोके जाने के लिये कार्यवाही की जावे। बाल विवाह होने पर निकट के पुलिस स्टेशन में सूचना देने का दायित्व वहन करेंगे।

जिला कलेक्टर शर्मा ने निर्देश दिये है कि बाल विवाह की रोकथाम के लिए अक्षय तृतीया से एक माह पूर्व कलेक्ट्रेट में उप निदेशक, महिला एवं बाल विकास विभाग, सीकर में एवं उपखण्ड के लिए उपखण्ड अधिकारी के कार्यालयों में कन्ट्रोल रूम स्थापित किया जाये जो 24 घण्टे कियाशील रहेंगे। महिला एवं बाल विकास विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, राजस्व आदि विभागों के अधिकारियों, कार्यकर्ताओं तथा महिला एवं किशोरी समूहों की टीमें गठित कर उन्हें बाल विवाहों के दुष्परिणामों एवं कानूनी प्रावधानों के बारे में जागरुकता फैलाने, रैलियां आयोजित करनें, संदेश प्रसारित करने तथा बाल विवाह न करने के संकल्प कराने के कार्यक्रम आयोजित किये जावें।

शिक्षा विभाग को विद्यालयों के स्तर पर बाल विवाह के दुष्परिणामों व इससे संबंधित विधिक प्रावधानों की जानकारी दिये जाने के लिए सभी स्कूलों को निर्देशित किया जाये। सामूहिक चर्चा से मिली जानकारी के आधार पर गाँव, मौहल्लों के उन परिवारों में जहाँ बाल विवाह होने की आशंका हो, समन्वित रुप से समझाईस करें। जहाँ आवश्यक हो कानून द्वारा बाल विवाहों को रोका जावें।

जिला कलेक्टर ने निर्देश दिये है कि किशोरी स्कूल जाने वाली, स्कूल बीच में छोड़ देने वाली बालिकाओं के मेलें आयोजित कराकर उनमें बाल विवाह न करने के निर्णय लेने की क्षमता विकसित करावें एवं उन्हें पढाई जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करावें।

बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 की धारा 16 के तहत सभी उप खण्ड अधिकारी उनके क्षेत्र के लिये बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी नियुक्त हैं। बाल विवाहों को रोकने के वे शासन के प्रति जवाब देह भी है। उनके क्षेत्र में बाल विवाह सम्पन्न होने की घटना होने पर उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जा सकती है।

जिला कलेक्टर ने निर्देश दिये है कि मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद, सीकर द्वारा जन प्रतिनिधियों को जनसमुदाय में बाल विवाह न करने के निर्णय, संकल्प करावें। ग्राम सभाओं में सामूहिक रुप से बाल विवाह के दुष्प्रभावों की चर्चा करना व रोकथाम की कार्यवाही करायें।

जिला सूचना एवं जन सम्पर्क अधिकारी, सीकर विवाह आयोजकों, मददगारों, कार्ड छापने वाले प्रिन्टर, पंडित, हलवाई, लाईट, बैंड बाजा, मेरिज गार्डन, वाहन मालिकों, बाराती, पण्डाल व टैन्ट लगाने वाले तथा ट्रान्सपोटर्स को प्रचार-प्रसार मीडिया के माध्यम से विवाह में अपने उत्तरदायित्व निभाने से पूर्व लडके-लडकी की उम्र 21 एवं 18 वर्ष हो यह सुनिश्चित करने, बाल विवाह में सहयोग न करने एवं विवाह के लिए छपने वाले निमन्त्रण पत्र में वर-वधु की जन्म तारीख प्रिन्ट करने की अपील जारी करें।

जिला ब्लाक व जिला स्तर पर गठित सहायता समूह, महिला समूह, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, साथिन, सहयोगिनी के कोर ग्रुप को सक्रिय करने के निर्देश दिये हैं।

सार-समाचार

कथा वाचन कार्यक्रम को लेकर कलेक्टर ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया

रतनगढ़ (निसं)। स्थानीय नंन्दीशाला में कल 11 अप्रैल से आयोजित शिवपुराण कथा को लेकर जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा। इस मौके पर जिला कलेक्टर ने नंन्दीशाला में प्रस्तावित कथा वाचन को लेकर निर्देश दिए कि सभी संबंधित अधिकारी सेवाओं व व्यवस्थाओं का समुचित प्रबंधन करें व कथा स्थल पर अव्यवस्थाओं को लेकर कहा शीघ्र हो व्यवस्थाएं दुरुस्त, टेंट और अधूरे पड़े कार्य पर भी कलेक्टर ने कहा शीघ्र पूरा करे कार्य, आयोजन समिति और नन्दी शाला संचालन समिति में चल रहा है विवाद, विवाद को लेकर कलेक्टर ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा। कलेक्टर सुराणा ने श्रद्धालुओं की संख्या के अनुरूप नहीं दिखाई दी बैठने की व्यवस्था, पर्याप्त मात्रा में स्वयंसेवक नियुक्त करें ताकि आमजन को परेशानी न हो। वहीं आयोजित कथा को लेकर अभी तक व्यवस्था में कई खामियां बनी हुई हैं, जबकि मात्र एक दिन कथा शुरू होने में शेष रहा है। जिला कलेक्टर सुराणा ने प्रवेश व निकास द्वार 2 की जगह 4 करने, पार्किंग व्यवस्था सही करने, पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था समुचित करने, बिजली के वायर सही तरह लगाने, भोजन, आवास व वाहन सुविधा की तरफ ध्यान देने सहित कई बिन्दुओं पर आयोजकों का ध्यान आकर्षित किया। टैन्ट व्यवस्था को लेकर आयोजकों व टैन्टधारक को पाबंद किया। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी रामकुमार वर्मा, उप पुलिस अधीक्षक, थाना प्रभारी दिलीप सिंह सहित जलदाय, विधृत विभाग सहित कई विभागों के अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित थे।

जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

चूरू (निसं)। जिला मुख्यालय पर चूरू जिला कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति के एक प्रतिनिधिमंडल की ओर से जिला कलेक्ट्रेट के आगे राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के गत 6 अप्रैल को रामनवमी के दिन मंदिर में पूजा-अर्चना करने पर भाजपा नेता ज्ञानदेव आहूजा के द्वारा नेता प्रतिपक्ष जूली पर अमर्यादित व अपमानजनक टिप्पणी करने के विरोध में बुधवार को भाजपा नेता ज्ञानदेव आहूजा का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया गया और राज्यपाल के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में कानूनी कार्यवाही करने व भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होने की मांग की गई व ज्ञानदेव आहूजा पर शीघ्र सख्त कानुनी कार्यवाही नहीं किए जाने पर चूरू में बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी गई। विरोध प्रदर्शन करने वालों में चूरू जिला कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग के जिलाध्यक्ष विद्याधर मेघवाल, मोहनलाल आर्य, सोहनलाल मेघवाल, राम प्रताप कांटीवाल, डॉ. प्यारेलाल मेघवाल, राजेंद्र घांघू, भूरामल भाटिया, कन्हैयालाल चंदेल, श्रवण बसेर, लक्ष्मणराम सातडा, एडवोकेट सद्दाम हुसैन, पालाराम मेघवाल, चंद्राराम श्